जादुई पिटारा | बचपन में खेलों का जादू

उमामहेश्वर राव जग्गेना

एक जीवन्त गाँव के बीचोबीच, आँगनवाड़ी केन्द्र के पास, एक शाम बच्चों के समूहों के साथ बीतती है जो ख़ुशी-ख़ुशी विभिन्न प्रकार के खेल, खेल रहे हैं। शिक्षाविद उनकी सामाजिक भागीदारी को देखकर प्रसन्न होते हैं। विभिन्न प्रकार के खेल – चीज़ों के साथ, जैसे प्लास्टिक के कप के साथ; प्रतीकात्मक खेल जिसमें वे मिट्टी से विभिन्न आकृतियाँ बनाते हैं; नियमों वाले खेल, जैसे लागोरी; सामाजिक-नाटकीय खेल – बच्चों का एक समूह 'गणेश जुलूस' निकालने का अभिनय करता है; और निश्चित रूप से, शारीरिक खेल भी जैसे कूदना, कुलाँचे भरना और दौड़ना आदि, ये सभी बच्चों की समृद्ध कल्पना और स्थानीय परम्पराओं से उनके सम्बन्ध को प्रदर्शित करते हैं। यह दृश्य जादुई है।

छोटे बच्चों के सीखने के अनुभव की बुनियादी गुणवत्ता इस बात से ज़्यादा प्रभावित होती है कि देखभालकर्ता और शिक्षक अपनी सामग्री का उपयोग कक्षाओं में कैसे करते हैं और बच्चे परस्पर एक-दूसरे के साथ कैसे मेलजोल और बातचीत करते हैं। खेल-आधारित सीखने में सामग्री और वयस्कों की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। जिज्ञासा के चलते बच्चे वस्तुओं को देखते-समझते हैं और अपनी कल्पना के आधार पर सामग्रियों का उपयोग करते हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि अनजानी वस्तुएँ अर्थपूर्ण खेल सामग्री में तब्दील हो जाती हैं।

जादुई पिटारा

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-फ़ाउंडेशनल स्टेज (NCF-FS) के तहत विकसित *जादुई पिटारा* (मैजिक बॉक्स) एक ऐसा बक्सा है जिसमें 3 से 8 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) शामिल है। यह 'खेल–खेल में सीखने' को प्रोत्साहित करता है और 13 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। यह भारतीय बच्चों के लिए प्रासंगिक और सांस्कृतिक महत्त्व रखता है। राज्य के शिक्षा विभागों को पारम्परिक खिलौनों को उचित महत्त्व देते हुए, सांस्कृतिक और सन्दर्भ की प्रासंगिकता के साथ-साथ राज्य की पाठ्यचर्या की रूपरेखा और पाठ्यक्रम के अनुरूप फ़ाउंडेशनल स्टेज के लिए सामग्रियों का एक ऐसा ही सेट विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

फ़ाउंडेशनल स्टेज में, टीएलएम शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया को अधिक संवादात्मक, आकर्षक और प्रभावी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे विकासात्मक डोमेन और बुनियादी भाषा और साक्षरता, संख्याज्ञान और हमारे आस-पास की दुनिया की समझ (विषयगत सामग्री) का बहु-संवेदी और आयु-उपयुक्त शिक्षण और अधिगम अनुभव प्रदान करके बच्चों की विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। जादुई पिटारा की सामग्री एनसीएफ़-एफ़एस के पाठ्यचर्या लक्ष्यों की एक विस्तृत शृंखला को प्राप्त करने में शिक्षण विधियों को प्रोत्साहित करती है।

जादुई पिटारे की सामग्री

उन्नत खेल सामग्री

जादुई पिटारे में सक्रिय और विकास के लिए उपयुक्त तरीक़े से सीखने के लिए पहेलियाँ, ब्लॉक और कठपुतलियाँ जैसे खिलौने और खेल सामग्री शामिल हैं। जो युवा विद्यार्थियों में न केवल शैक्षणिक कौशल की नींव रखती हैं बल्कि आवश्यक सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक क्षमताओं और संवेदी तथा अवधारणात्मक कौशल का भी पोषण करती हैं। ये वस्तुएँ शिक्षकों के सहयोग से बच्चों को उनकी परिपक्वता स्तर के आधार पर सीखने और विकास के अनन्त अवसरों का पता लगाने और अनुभव करने में सक्षम बनाती हैं। शिक्षक एक *प्रेरक सीखने का माहौल* सुनिश्चित करते हैं, कक्षाओं में बच्चों के साथ एक जीवन्त माहौल बनाते हैं और उन्हें खेल सामग्री चुनने और उसे उपयोग करने की स्वतंत्रता देते हैं।

बिल्डिंग ब्लॉक्स और पहेलियाँ

बिल्डिंग ब्लॉक्स को उनकी कुछ भी गढ़ने की प्रकृति और रचनात्मक खेल की अनन्त सम्भावनाओं के कारण 'सुपर टॉयज' के रूप में जाना जाता है। चूँकि बच्चे अपनी इन्द्रियों का उपयोग यह पता लगाने के लिए करते हैं कि वस्तुएँ कैसे काम करती हैं और फिर उन वस्तुओं में अपने हिसाब से हेर-फेर करते हैं, रचनात्मक खेल एक प्री-स्कूली बच्चे को गहराई, चौड़ाई, लम्बाई, समरूपता, आकार और स्थान के सम्बन्ध में वर्गीकरण, माप, क्रम, गिनती और अन्त को समझने की क्षमता विकसित करने के अवसर प्रदान करते हैं। यह बच्चों की कल्पनाशीलता और रचनात्मकता में भी मदद करते हैं।

तालिका-1 : जादुई पिटारे में विभिन्न खेल, सहायक सामग्री और उनका महत्त्व

खेल का प्रकार	जादुई पिटारे में सामग्री	विकासात्मक अवसर, कौशल एवं दक्षताएँ
वस्तुओं के खेल	• बिल्ली पहेली • 2-3D आकृतियों को पिरोना • रंगीन छल्लों को एक के ऊपर एक जमाना • सलाखों और रंगीन ब्लॉक को जमाना • टेनग्राम (Tangram) • गणित माला	• पकड़ सम्बन्धी कौशल, संवेदी अवधारणात्मक कौशल • वस्तुओं के गुणों की छानबीन करना • गहराई, चौड़ाई, लम्बाई, समरूपता, आकार और स्थान के सम्बन्ध में अन्तरों को वर्गीकृत करने, मापने, क्रमबद्ध करने, गिनने और संकलित करने की क्षमता
नाटकीय खेल	• किचन सेट • ओखली-मूसल, चाकू और चॉपिंग बोर्ड, चकला-बेलन • हाथ वाली कठपुतलियाँ (कौआ, शेर, गधा, मुर्गा, हाथी, शार्क) मुलायम खिलौने, चूहा वाली कठपुतली	• विचारों, एहसासों और भावनाओं का संचार • उपयुक्त सामाजिक कौशल • शब्दावली का अभ्यास और नए, सम्बन्धित शब्दों के माध्यम से सीखने का विस्तार करने का आत्मविश्वास • पढ़ने और लिखने के कौशल का अभ्यास • समस्याओं को हल करना और गणितीय अवधारणाएँ विकसित करना • साथियों के साथ सहयोग
प्रतीकात्मक खेल	• वर्णमाला ट्रेसिंग बोर्ड • कठपुतलियाँ	• प्रतीकात्मक प्रणाली, जिसमें बोली जाने वाली भाषा, पढ़ना और लिखना, संख्याएँ, विभिन्न दृश्य मीडिया (पेंटिंग, चित्रकारी, कोलाज) संगीत इत्यादि शामिल हैं • नए शब्दों का निर्माण और ध्वनि सम्बन्धी जागरूकता
शारीरिक खेल	• लकड़ी के लट्टू • खेलने के लिए आटे या मिट्टी की लोई • मोती पिरोना • गेंद • रस्सी कूद के लिए रस्सी • लागोरी	• शारीरिक स्वास्थ्य, स्थूल और महीन पकड़ और नियंत्रण (मोटर) कौशल • नियंत्रण, समन्वय और शारीरिक सन्तुलन • गति अवधारणाओं को समझना (स्थानिक और शरीर के अंग)
नियमों वाले खेल	• अष्टा चंगा • चौकी बारा • पल्लंकुझी मन्ने • पारेचीसी	• साझा करने, सहयोग करने और बारी-बारी से काम करने से सम्बन्धित सामाजिक कौशल • दूसरों के दृष्टिकोण को समझना और • समस्या हल करने का कौशल (Problem Solving Skill)

कठपुतलियाँ और अन्य खिलौने

कठपुतलियाँ और खिलौने, जैसे कि किचन और डॉक्टर सेट, बच्चों में प्रतिनिधित्व कौशल विकसित करने या कल्पना के माध्यम से एक चीज़ को दूसरे के रूप में प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं (सामाजिक-नाटकीय खेल जिनमें चरित्र को निभाने के लिए सामग्रियों का उपयोग और उनकी नक़ल की जाती है और उनके लहज़े में बोलते हैं) साथ ही ये भाषा क्षमताओं को बढ़ावा देते हैं, सामाजिक-भावनात्मक जागरूकता लाते हैं और सामाजिक भूमिका और मानदण्ड को समझते हैं, जिससे बच्चों को वास्तविक दुनिया की समझ बनाने में मदद मिलती है।

खेल की किताबें

खेल की इन किताबों में 3 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के लिए चित्रात्मक, विषयगत गतिविधि शीट और 3 से 8 वर्ष के आयु वर्ग के लिए हिन्दी, अँग्रेज़ी और गणित की चित्रात्मक गतिविधियाँ शामिल हैं।

ये खेल पुस्तकें बच्चों के लिए सीखने को मनोरंजक बनाने के अलावा अन्य विकास में भी सहायक हैं जो इस प्रकार हैं :

- सकारात्मक सीखने के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।
- आत्म-अन्वेषण और स्वतंत्र सीखने को प्रोत्साहित करना।
- प्रिंट सामग्री के माध्यम से मूर्त अवधारणाएँ प्रस्तुत करना।
- संज्ञानात्मक क्षमताओं और पूर्व-संख्याज्ञान और संख्या अवधारणाओं को बढ़ावा देना।
- महीन मोटर कौशल विकसित करना, नियंत्रित रूप से चिपकाना, काटना, रंगना, ट्रेसिंग आदि।
- चित्रों के माध्यम से समझना, शब्दावली, प्रिंट की परम्पराओं के साथ पूर्व-पढ़ने और लिखने का कौशल
- सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कक्षा/ सहपाठियों/ समूह की गतिविधियों में अनुभव की गई अवधारणाओं और कौशलों को सुदृढ़ करना और उनका अभ्यास करना।
- आयु अनुसार परिवर्तन और ग्रेड-स्तरीय बुनियादी दक्षताओं को बढ़ावा देना।

ये खेल की किताबें शिक्षक को भी कई अन्य तरीक़ों से मदद करती हैं :

- सीखने के सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने और आनन्ददायक एवं उत्साहवर्धक सीखने के अनुभवों के निर्माण में शिक्षक को मदद करने में
- विभिन्न क्षमता स्तर के समूह में शिक्षण को सुविधाजनक बनाने तथा एक उदाहरण स्थापित करने और शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों की गति एवं सीखने की शैली के अनुसार गतिविधि शीट तैयार करने में सक्षम बनाने में
- प्रत्येक बच्चे की प्रगति का एक ठोस रिकॉर्ड रखने, विकास के पड़ावों और प्रारम्भिक सीखने के परिणामों को ट्रैक करने में सुविधा प्रदान करने में
- पोर्टफ़ोलियो में बच्चों की गतिविधि शीट का व्यवस्थित दस्तावेज़ीकरण करने के लिए सक्षम बनाने में

इसके अलावा, खेल की किताबें सरल उदाहरणात्मक गतिविधि शीट के माध्यम से बच्चों के विकास और सीखने में माता-पिता की भागीदारी को भी सुगम बनाती हैं और प्रोत्साहित करती हैं। गतिविधि शीट उन्हें अपने बच्चों की प्रगति के बारे में स्पष्ट जानकारी प्रदान करती हैं और घर पर निरन्तर सीखने की सुविधा प्रदान करती हैं।

शिक्षक हैंडबुक्स

प्रारम्भिक फ़ाउंडेशनल स्टेज (3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चे) में शिक्षक किस सामग्री का उपयोग बच्चों के साथ करें, इस सम्बन्ध में काफ़ी अनिश्चितता रही है। इसके समाधान में, *जादुई पिटारा* शिक्षक पुस्तिकाओं का एक सेट प्रदान करता है। ये पुस्तिकाएँ विषयगत सामग्री और आयु-उपयुक्त अनुभवों के दायरे को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती हैं। खेल-खेल में हैंडबुक विशेष रूप से 3 से 6 साल के बच्चों के लिए डिज़ाइन की गई है और हिन्दी, अँग्रेज़ी और गणित के लिए अन्य किताबें भी हैं। एक पुस्तिका कम और बिना लागत वाली शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) बनाने के लिए भी प्रदान की गई है।

चित्र-1 : *एक बच्ची जादुई पिटारे की सामग्री के साथ खेलने का आनन्द लेते हुए।*

फ़्लैश कार्ड

जानवरों, पौधों, फूलों और फलों आदि के चित्रों वाले 50 विषयगत फ़्लैश कार्ड हैं, जो निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करते हैं :

- जुड़ाव और रुचि : जानकारी को आकर्षक और विषयगत तरीक़े से प्रस्तुत करके बच्चों की रुचि को तय करना और उसे बनाए रखना।
- अवधारणा का सुदृढीकरण : विषयगत अवधारणाओं और शब्दावली को सुदृढ़ करना, बेहतर अवधारणा और समझ में सहायता करना।
- बहु-संवेदी शिक्षण : समझ को बढ़ाने के लिए दृष्टि और चर्चा से जुड़े बहु-संवेदी शिक्षण अनुभव प्रदान करना।
- भाषा विकास : नए शब्दों को प्रस्तुत करके और विशिष्ट विषयों पर स्वतंत्र, मार्गदर्शित और वैचारिक बातचीत की सुविधा प्रदान करके भाषा विकास का समर्थन करना।
- रचनात्मकता और कल्पना : विषयगत विचारों के दृश्य प्रतिनिधित्व के माध्यम से रचनात्मकता और कल्पना को प्रोत्साहित करना।

संख्याज्ञान के कार्ड

संख्याज्ञान कार्ड (1-100) दो सेटों में हैं जिनमें प्रत्येक पर संख्या नाम और संख्या नाम के लिए मात्रा दर्शाते बिन्दु अंकित हैं जो निम्नलिखित में सहायता करते हैं :

- संख्याज्ञान कौशल विकास : संख्याओं, संख्याओं के नामों का दृश्य प्रतिनिधित्व और संख्याओं (प्रतीकों) को मात्राओं के साथ जोड़ना।
- मूर्त (चित्रात्मक) समझ : अमूर्त (संख्याओं) को मूर्त प्रतीकों (बिन्दुओं) के साथ जोड़ना।
- क्रमबद्ध सीखना : प्री-प्राइमरी के लिए बुनियादी गिनती (10-1) से अधिक जटिल गणनाओं की तरफ़ बढ़ना।
- संवादात्मक रूप से सीखना : संख्याओं के व्यावहारिक उपयोग को प्रोत्साहित करना और उन्हें मूर्त अनुभवों से जोड़ना।

पोस्टर

पोस्टर प्रिंट-समृद्ध वातावरण बनाते हैं, कक्षा में बातचीत को और पढ़ने के साथ-साथ ये शिक्षक को निम्नलिखित में सहयोग करते हैं :

- मौखिक भाषा का विकास : सुनना और प्रतिक्रिया देना, दोहराना, बातचीत और संवाद करना और सीखना।
- प्रिंट जागरूकता : मौखिक भाषा को लिखित शब्दों के साथ जोड़ना, मौखिक और लिखित भाषा के बीच अन्तर्सम्बन्ध को देखना।
- सांस्कृतिक अनुभव : विभिन्न कहानियों और कविताओं के माध्यम से विविध संस्कृतियों, नज़रिए और साहित्यिक परम्पराओं का परिचय।
- अभिव्यक्ति और संचार : चर्चाओं और साझा करने के अन्य रूपों को प्रोत्साहित करना।
- समझ के साथ पढ़ना : दृश्यों के साथ चित्र पढ़ने में सुधार, कहानियाँ और कविताओं के साथ शब्द पहचान और पढ़कर समझने का कौशल विकसित करना।

निष्कर्ष

दैनिक सीखने के अनुभव जो बच्चे द्वारा किए जाते हैं और शिक्षक द्वारा निर्देशित होते हैं, विषयगत खेल सामग्री, प्रतीकात्मक और नाटकीय खेल गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षक-संचालित गतिविधियों के माध्यम से, शिक्षक हैंडबुक और शिक्षक मैनुअल जैसे संसाधनों द्वारा समर्थित होते हैं। इस तरीक़े का उद्देश्य फ़ाउंडेशनल स्टेज में 'खेल-खेल में शिक्षण और सीखने' को बढ़ावा देना है। इससे आगे चलकर, ये बच्चों के समग्र विकास के लिए सकारात्मक रिश्तों को बढ़ावा देते हैं और जहाँ भी सम्भव हो स्थानीय संसाधनों को शामिल करते हुए बच्चों के जीवन, सन्दर्भ और पूर्व ज्ञान से गहराई से जुड़े अनुभवों की योजना बनाते हैं।

उमामहेश्वर राव जग्गेना ने अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन में शैक्षणिक, परामर्श, पाठ्यचर्या विकास, आकलन, नेतृत्व और कार्यक्रम प्रबन्धन सहित विभिन्न भूमिकाएँ निभाई हैं। वह कार्यक्रम विकास और कार्यान्वयन के माध्यम से आँगनवाड़ी केन्द्रों में अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ECCE) की गुणवत्ता बढ़ाने में माहिर हैं। उन्होंने *जादुई पिटारा* (एनसीएफ़-एफ़एस) और अर्ली लर्निंग असेस्मेंट टूल (ELA) में योगदान दिया है। उन्होंने पुडुचेरी (यूटी) में ईसीसीई कार्यक्रमों को बदलने और कई राज्यों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने एनसीईआरटी (आरआईई,मैसूर) से शिक्षा में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उनसे *uma.maheswara@azimpremjifoundation.org* पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : जितेन्द्र 'जीत' **पुनरीक्षण :** उमा सुधीर **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय